क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

(भाग 1: पुरुष के दृष्टिकोण से)

आजकल, वैवाहिक संघर्ष बहुत आम हो गए हैं। एक शादी का केवल एक साल भी टिकना एक ऐसी बात है जिसके लिए वास्तव में आभारी होना चाहिए। हर दिन असहमति, अशांति और भावनात्मक थकान लेकर आता है। कई लोग यह संदेह करने लगते हैं कि क्या उन्होंने जिस व्यक्ति से शादी की वह वास्तव में ईश्वर की पसंद थी—और कभी-कभी तलाक को ही एकमात्र समाधान मान लेते हैं।

इतना बड़ा कदम उठाने से पहले, रुकें और विचार करें:

क्या दूसरों ने भी इसी तरह की कठिनाइयाँ झेली हैं? उन्होंने इसे कैसे हल किया? उनकी कहानी का परिणाम क्या था?

शादी एक पवित्र वाचा है, केवल अनुबंध नहीं
अक्सर टूटी हुई शादी का कारण दोनों पति-पत्नी का ईश्वर द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को न समझ पाना होता है। शादी केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं है—यह ईश्वर के सामने एक वाचा है। मलाकी 2:14 (NIV) हमें याद दिलाता है:
“तुम पूछते हो, ‘क्यों?’ क्योंकि यहोवा तुम्हारे और तुम्हारी जवानी की पत्नी के बीच गवाह है, जिसके प्रति तुम विश्वासघाती रहे, जबकि वह तुम्हारी जीवनसंगिनी है, तुम्हारी शादी की वाचा की पत्नी।”

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

शादी का उद्देश्य ईश्वर और उनके लोगों के संबंध की झलक देना है (इफिसियों 5:32, NIV)। जैसे उद्धार की यात्रा जीवन भर चलती है, वैसे ही शादी भी विकास, बलिदान और आध्यात्मिक निकटता की जीवनभर की यात्रा है—हमेशा “हनीमून” जैसी नहीं। इसमें चुनौतियाँ, असहमतियाँ और ऐसे पल आएंगे जब जीवन आदर्श से बहुत दूर लगेगा।

आदम और हव्वा का उदाहरण
आइए शास्त्र में सबसे शिक्षाप्रद शादियों में से एक—आदम और हव्वा—का विश्लेषण करें। उनकी कहानी हमें ईश्वर के शादी के डिजाइन और पाप, नेतृत्व और कृपा की गतिशीलता को समझने में मदद करती है।

ईश्वर ने आदम की पत्नी को व्यक्तिगत रूप से चुना, उसे आदम की पसली से बनाया (उत्पत्ति 2:21–22, ESV), यह दर्शाता है कि शादी कोई यादृच्छिक जोड़ी नहीं बल्कि दिव्य संघ है। शुरुआत में, वे परम सामंजस्य में रहते थे, ईश्वर की प्रदान की गई शांति, सुरक्षा और संगति का आनंद लेते थे।

लेकिन जब हव्वा ने ज्ञान के पेड़ का फल खाने का ईश्वर का
आदेश नहीं माना (उत्पत्ति 3:6, NASB), तो संघर्ष उत्पन्न
हुआ। “ईश्वर जैसा होना” की इच्छा से प्रेरित होकर, उसने आदम से पूछे बिना फल खाया।

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

धार्मिक दृष्टिकोण: पतन पाप, संबंधों में टूट और शादी में पदानुक्रम की वास्तविकता को प्रस्तुत करता है। उत्पत्ति
3:16 (NIV) में ईश्वर के शब्द इस परिवर्तन को बताते हैं:
“मैं तुम्हारे बच्चे जन्म देने के दर्द को बहुत बढ़ा दूँगा; दुखद प्रसव के साथ तुम बच्चों को जन्म दोगी। तुम्हारी इच्छा तुम्हारे पति के लिए होगी, और वह तुम्हारे ऊपर शासन करेगा।”

ध्यान दें कि शादी में नेतृत्व शुरू में प्रभुत्व के लिए नहीं, बल्कि जिम्मेदार प्रबंधन और प्रेमपूर्ण अधिकार के लिए था। पाप के प्रवेश के बाद यह आवश्यक बन गया। नेतृत्व अब आत्मकेंद्रित नियंत्रण नहीं बल्कि जिम्मेदारी, जवाबदेही और बलिदानी प्रेम से जुड़ा है।

जब आदम ने स्थिति देखी, तो उसने स्वेच्छा से हव्वा के परिणामों में उसका साथ दिया (उत्पत्ति 3:17–19, ESV)। वह धोखा नहीं खाया; उसने उसके साथ ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता और एकजुटता का चुनाव किया। दोनों ने पाप का श्राप अनुभव किया: श्रम, पीड़ा, मृत्यु और संबंधों में तनाव।

आज के पुरुषों के लिए शादी के सबक

आपकी जीवनसंगिनी ईश्वर का उपहार है।
आदम ने हव्वा को कभी नहीं छोड़ा। पुरुषों को अपनी

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

पत्नियों को अपनाना, उन्हें क्षमा करना और अपनी शादी को फिर से बनाना चाहिए। याद रखें, वह आपकी पसली है (उत्पत्ति 2:23–24, NASB), आपका हिस्सा, आपका विरोधी नहीं।

संघर्ष शादी को समाप्त नहीं करता।
पत्नी की गलतियाँ या विद्रोह वाचा को समाप्त नहीं करते। सच्चा प्रेम कठिनाइयों में परखा जाता है, जैसा रोमियों 5:3–5 (NIV) में बताया गया है: “…हम अपने कष्टों में भी आनन्दित होते हैं, क्योंकि जानते हैं कि कष्ट धैर्य उत्पन्न करता है; धैर्य, चरित्र; और चरित्र, आशा।”

प्रेम आज्ञा है, विकल्प नहीं।
इफिसियों 5:25–28 (NIV):
“पति अपनी पत्नियों से प्रेम करें, जैसे मसीह ने चर्च से प्रेम किया और उसके लिए स्वयं को समर्पित किया… उसी प्रकार, पति अपनी पत्नियों से वैसे प्रेम करें जैसे वे अपने ही शरीर से प्रेम करते हैं। जो अपने पत्नी से प्रेम करता है, वह स्वयं से प्रेम करता है।”

पत्नी से प्रेम करना केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि ईश्वर की आज्ञा का पालन है। नेतृत्व प्रेम, बलिदान और आध्यात्मिक मार्गदर्शन से अलग नहीं है।

क्षमा और धैर्य आवश्यक हैं।
आदम ने हव्वा को क्षमा किया और दोनों ने मिलकर अपना जीवन फिर से बनाया। आज के पुरुष मसीह के धैर्य और सहनशीलता का अनुकरण करें (कुलुस्सियों 3:13, NIV):

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“एक-दूसरे के साथ सहनशील रहें और यदि किसी के प्रति कोई शिकायत है तो क्षमा करें। जैसे प्रभु ने आपको क्षमा किया, वैसे ही आप भी क्षमा करें।”

मसीह-केंद्रित शादी फलती-फूलती है।
मसीह के बिना, सबसे मजबूत मानवीय प्रयास भी शादी को बनाए
नहीं रख सकते। उद्धार, पश्चाताप, बपतिस्मा और पवित्र
आत्मा का उपहार पति को ईश्वर की इच्छा के अनुसार अपनी
पत्नी से प्रेम करने, नेतृत्व करने और पालन-पोषण करने में समर्थ बनाता है।

व्यावहारिक सुझाव

अपनी जीवनसंगिनी को अपनाएं: शादी वाचा है, अनुबंध नहीं। संघर्ष में भी उनका
साथ दें।
अनन्य प्रेम करें: नेतृत्व प्रेम के माध्यम से प्रकट होता है, नियंत्रण के माध्यम से नहीं।
मुक्त रूप से क्षमा करें: पिछली असफलताएँ, गलतियाँ और पाप वाचा को रद्द नहीं करते।
आध्यात्मिक रूप से निर्माण करें: साथ में प्रार्थना करें, विश्वास में चलें और अपने घर की नींव में मसीह को आमंत्रित करें।

आदम 930 वर्ष जीवित रहा (उत्पत्ति 5:5, KJV) और 800 वर्ष से अधिक समय तक हव्वा के साथ रहा। आज के पुरुष केवल कुछ वर्षों की कठिनाई के बाद थक जाते हैं—लेकिन जब हम ईश्वर के

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

सिद्धांतों को लागू करते हैं, तो उनका डिजाइन काम करता है।

निष्कर्ष:
संघर्ष का सामना करने वाली शादी न तो विफल है। सवाल यह है कि क्या आप ईश्वर की योजना का पालन करेंगे: प्रेम, धैर्य, क्षमा और मसीह-केंद्रित नेतृत्व। अलगाव के माध्यम से समस्याओं को हल करने की दुनिया की पद्धतियों को छोड़ें। दृढ़ रहें, गहरा प्रेम करें और देखें कि ईश्वर आपकी शादी को कैसे पुनर्स्थापित करता है।

अगले भाग में (भाग 2):
हम महिला की भूमिका पर चर्चा करेंगे, कैसे अवज्ञा या घमंड टूटने में योगदान दे सकते हैं, और वह घर में शांति और प्रेम बहाल करने के लिए व्यावहारिक कदम क्या उठा सकती हैं।

इस संदेश को साझा करें—यह शादियों को ठीक कर सकता है और जोड़ों को ईश्वर की योजना का पालन करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

क्यों इतनी शादियाँ टूट जाती हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

Share on:
WhatsApp